वर्ष :: 33 अंक : 31
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 30 अप्रैल, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

ये हैं भ्रष्टाचार के 7 सेतु

बोकारो में 100 करोड़ का घपला... अप्रोच रोड के बिना ही बना डाले पुल

हाईकोर्ट ने लगाई सरकार को फटकार

तीन हफ्ते के भीतर मांगा जवाब

झारखंड में भ्रष्टाचार का खेल खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। जगह-जगह ईडी और सीबीआई की ताबड़तोड़ कार्रवाई हो रही है। कई अधिकारी जेल की सलाखों की पीछे जा चुके हैं और कई जाने वाले हैं, लेकिन फिर भी झारखंड की रत्नगर्भा धरती को लूटने से यहां के भ्रष्ट अधिकारी बाज नहीं आ रहे हैं। अभी पिछले शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट ने ऐसे ही एक मामले का संज्ञान लिया है, जिसमें लगभग 100 करोड़ रुपए की घपलेबाजी का वाकया प्रकाश में आया है। पढें यह पूरी स्टोरी-

विशेष संवाददाता

रांची/बोकारो : बोकारो में एक नहीं, दो नहीं, सात ऐसे पुलों का निर्माण आनन-फानन में कर दिया गया, जहां आज तक अप्रोच रोड बना ही नहीं। मामला चास और चंदनकियारी का है। कथित भ्रष्टाचार के सेतु-निर्माण का यह मामला अब झारखंड हाईकोर्ट में पहुंच चुका है, जिस पर अदालत ने न केवल संज्ञान लिया, बल्कि सरकार को कड़ी फटकार भी लगाई है। आरटीआई एक्टिविस्ट रवि कुमार वर्मा द्वारा इस संदर्भ में दायर की गई जनहित याचिका के आलोक में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने सरकार को तीन हफ्ते के भीतर अपना जवाब देने का अंतिम मौका दिया है। शुक्रवार को उक्त याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इस तरह के मामलों में जवाब देने के प्रति सरकार की कथित उदासीनता पर गहरी नाराजगी जताई। हाईकोर्ट ने कहा कि 'सरकार अदालत के निर्देशों का गंभीरता से पालन करे। समय पर जवाब दे। अमूमन हर मामले में ऐसा ही देखा जा रहा है। समय पर जवाब नहीं दिया जा रहा। केवल समय मांगा जा रहा है।'

याचिका में बिना एप्रोच रोड के ही सात पुल का निर्माण कर लगभग 100 करोड़ रुपए की घपलेबाजी का आरोप लगाया गया है। कहा गया है कि यह सरासर जनता के पैसे का दुरुपयोग है। रवि ने इस संबंध में अदालत को अपनी जनहित याचिका संख्या 572/2020 के तहत लगभग 40 पन्नों का पूरा ब्यौरा दिया है। इसमें झारखंड सरकार एवं अन्य को प्रतिवादी बनाया गया है।

इन जगहों पर बगैर संपर्क पथ के बना डाले पुल

1). पुरुलिया रोड से 2 किलोमीटर नजदीक एवं चंदनकियारी के समीप गवई नदी पर बना पुल, 2). चंदनकियारी में वर्ष 2016 में पूरा हुआ दामोदर नदी पर 9.96 करोड़ रुपए की लागत से बना विनोद बिहारी सेतु, 3). चंदनकियारी बनगड़िया गांव में बनाया गया पुल, 4). चास प्रखंड में बेंदी गांव से दुगार्पुर गांव के लिए इजरी नदी पर बनाया गया पुल, 5). चास प्रखंड के मूर्तिटांड़ गांव से सेक्टर 5 के रास्ते में गरगा नदी पर बनाया गया पुल, 6). चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर-1 से भर्रा के रास्ते तैयार पुल, 7). चास प्रखंड के सीमाबाद गांव में गवई नदी पर बनाया गया पुल।

गुणवत्ता पर भी सवाल

याचिका में बगैर संपर्क पथ के निर्मित किए गए पुल और उनके निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी व धांधली का भी आरोप लगाया गया है। इससे संबंधित तस्वीरें भी दी गई हैं। 2013 में तैयार चास गवई नदी पुल की छड़ें अब बाहर निकल चुकी हैं। चास गवई नदी पुल स्लैबों के बीच बड़ी-बड़ी दरारें भी पड़ चुकी हैं। कहीं-कहीं तो पुल के चारों तरफ जंगल-झाड़ हो गए हैं और करोड़ों का पुल जंगल व झाड़ियों के बीच दबकर रह गया है। सीमाबाद गवई नदी पुल और मूर्तिटांड़ गांव से सेक्टर-5 के बीच बना पुल कुछ ऐसी ही हालत में है। आरोप है कि बिना भूमि अधिग्रहण के ही इन पुलों का निर्माण कर दिया गया। संपर्क पथ के बिना पुल का निर्माण किए जाने के कारण केवल सरकारी पैसे की बर्बादी हुई और आज तक जनता को इसका लाभ नहीं मिल सका है।

– संपादकीय –

आंतरिक सुरक्षा, कड़ी चुनौती

देश की आंतरिक सुरक्षा आज केन्द्र और राज्य सरकारों के लिए कड़ी चुनौती बन गई है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हुए आतंकी हमले में हमारे पांच जवान शहीद हो गए थे। उक्त घटना के कुछ ही दिनों बाद छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमले की हुई घटना में सुरक्षा बलों के 11 जवान शहीद हो गए। कश्मीर में जहां जवानों के वाहन पर ग्रेनेड से हमला किया गया था, वहीं दंतेवाड़ा में सुरक्षा बलों के जवान ऑपरेशन से लौट रहे थे। दुःखद यह है कि तमाम कोशिशों के बाद भी दशकों से छत्तीसगढ़ को नक्सली मुक्त नहीं बनाया जा सका है। दंतेवाड़ा में फिर नक्सलियों ने हमारे वीर जवानों के खून की होली खेली है। आईईडी ब्लास्ट में 11 जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। साथ ही, जवानों को ले जा रहे वाहन के ड्राइवर की भी जान चली गई। आईईडी इतना बड़ा और ताकतवर था कि सड़क पर काफी लंबा, चौड़ा और गहरा गड्ढा हो गया। इसे देखते ही समझा जा सकता है कि नक्सलियों ने कितने गुप्त तरीके से इस बड़ी साजिश को अंजाम दिया है। आश्चर्य की बात है कि जहां हमारे जवानों पर हमला हुआ है, उस दंतेवाड़ा इलाके में लंबे समय से नक्सल विरोधी अभियान चल रहे हैं, फिर भी वहां बड़ी घटनाएं बार-बार सामने आ ही जाती हैं। हाल की उक्त दोनों घटनाओं से सेना और सुरक्षा बलों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आंकड़े बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में पिछले पांच साल के दौरान नक्सली हिंसा की घटनाओं में 175 जवान वीरगति को प्राप्त हो चुके हैं। हालांकि, इस दौरान सर्च ऑपरेशन और मुठभेड़ में 328 नक्सली भी मारे जा चुके हैं, लेकिन इसके साथ ही 345 निर्दोष नागरिकों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी है। लोकसभा में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय की तरफ से दिये गए एक जवाब में बताया गया था कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2018 से फरवरी 2023 तक इतने जवानों के साथ आम नागरिकों को भी जान से हाथ धोना पड़ा। जबकि, आतंक प्रभावित जम्मू-कश्मीर में पुलवामा हमले के बाद 1067 आतंकी हमलों में 182 जवान शहीद हुए। साथ ही, 729 आतंकवादी भी मार गिराये गए। यह सच है कि पाकिस्तान पोषित आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ हम लम्बे समय से लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं, चीन समर्थित नक्सली हमारे निरन्तर प्रयासों के बावजूद सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं। जानकारों की मानें तो नक्सली सिर्फ दंतेवाड़ा के इलाके तक ही सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि बस्तर, बीजापुर और सुकमा की पहाड़ियों से भी उन्हें अब तक पूरी तरह उखाड़ा नहीं जा सका है। 25 मई, 2013 को इसी सुकमा की झीरम घाटी में 200 नक्सलियों ने कांग्रेस पार्टी की रैली पर हमला कर दिया था, जिसमें तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस प्रमुख नंदकुमार पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, छत्तीसगढ़ विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता महेंद्र कर्मा सहित 32 लोगों की जान चली गई थी। फिर 2 अप्रैल 2021 को जब सुरक्षा बलों के 2,000 जवानों ने एक साथ बीजापुर और सुकमा के जंगलों में धावा बोला तो नक्सल विरोधी इस बड़े अभियान में भी 22 जवानों को जान गंवानी पड़ी थी। कुल मिलाकर कहें तो छत्तीसगढ़ की धरती नक्सल नरसंहारों से लाल होती रहती है। हालांकि, झारखंड और बिहार में भी नक्सली बीच-बीच में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं। लेकिन, यहां के हालात पहले से बहुत बदल गए हैं। फिर भी, हमारी खुफिया एजेंसियों को लगातार सतर्क रहना पड़ेगा। क्योंकि, इस तरह की जो भी घटनाएं होती हैं, उनमें हमारी आंतरिक सुरक्षा से संबंधित खुफिया तंत्र की लापरवाही से इनकार नहीं किया जा सकता। सेना और सुरक्षा बलों पर हमले की घटनाएं देश के लिए निश्चय ही चिन्ता का विषय है। जरूरत इस बात की है कि केन्द्र और राज्य सरकारें मिलकर देश की आंतरिक सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में कोई ठोस और सार्थक पहल करे।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

'मन की बात' के माध्यम से स्वस्थ भारत की जन-प्रेरणा

डॉ. विनोद के. पॉल
सदस्य
नीति आयोग, भारत सरकार।

स्वास्थ्य और विकास आपस में जुड़े हुए हैं - केवल स्वस्थ नागरिक ही किसी राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार इस आदर्श के लिए प्रतिबद्ध है और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए अथक प्रयास किया है। प्रधानमंत्री हमारे लोगों के स्वास्थ्य में लगातार सुधार पर अत्यधिक जोर देते हैं और उन्होंने भारत की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए प्राथमिकता से संचालित कार्रवाई सुनिश्चित की है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए गहरे संरचनात्मक और निरंतर सुधार किए हैं और देश भर में सैचुरेशन लेवल का कवरेज प्राप्त करने के लिए अनुकूल रणनीतियों को भी लागू किया है।

सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। आज, केवल बीमारों का इलाज करने के बजाय हेल्थ एंड वैलनेस दोनों पर ध्यान दिया जाता है। भारत के हेल्थकेयर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं। सरकार द्वारा वित्तपोषित दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कार्यक्रम-आयुष्मान भारत (एबी-पीएमजेएवाई), प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम), आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), एक मजबूत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), ई-संजीवनी ओपीडी और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी), ऐसी कुछ पहलें हैं, जो सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में चौतरफा परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए की हैं।

2014 से (387 से 655 तक) मेडिकल कॉलेजों में 69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रस्तावित 22 नए एम्स में से 19 चालू हैं। 35 करोड़ से अधिक नागरिकों का डिजिटल स्वास्थ्य खाता (आभा, एबीएचए) बनाया गया है। टेलीमेडिसिन के तहत ई-संजीवनी को मुख्यधारा ने अपनाया है और अब तक 11 करोड़ रोगियों ने इस सेवा का लाभ उठाया है। आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) पहल के तहत, 156,000 उप-केंद्रों (एससी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में बदलाव आया है। एक नया मध्य स्तरीय स्वास्थ्य पेशेवर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तैनात किया गया है। उप केन्द्रों में एचडब्ल्यूसी को 105 दवाएं और 14 डायग्नोस्टिक परीक्षण प्रदान करना अनिवार्य है और पीएचसी में वे 172 मुफ्त दवाएं और 63 मुफ्त डायग्नोस्टिक परीक्षण प्रदान करते हैं।

सभी सरकारी योजनाओं का मूल्य केवल उनके अंतिम-मील तक वितरण के माध्यम से महसूस किया जाता है। इसके लिए सक्रिय स्वामित्व और लोगों की भागीदारी की आवश्यकता है। इस संबंध में, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से जनता से जुड़ने के साधन के रूप में रेडियो की क्षमता का बेहतर उपयोग किया है, जिसका वर्षों से एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में व्यापक प्रभाव पड़ा है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने बार-बार लोगों के बीच अच्छे स्वास्थ्य के विचार का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि 'स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगों से मुक्ति नहीं है। स्वस्थ जीवन हर व्यक्ति का अधिकार है।' उन्होंने विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 'मन की बात' का व्यापक रूप से उपयोग किया है और यह भी बताया है कि किस प्रकार उन्होंने देश भर में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों लोगों को लाभान्वित किया है।

मुझे याद है कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' पर आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के साथ बातचीत की थी, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को किफायती बनाने के लिए आभार व्यक्त किया था। इस तरह की बातचीत कल्याणकारी योजना के लाभ प्राप्त करने में संभावित लाभार्थियों के विश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे भारत के सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) को प्राप्त करने के सपने को बढ़ावा मिलता है। स्टेंट इम्प्लांटेशन और घुटने की सर्जरी की लागत कम करने और लगभग 10 करोड़ परिवारों को इलाज के लिए 5 लाख रुपये के बीमा के प्रावधान की प्रधानमंत्री की घोषणा दूर-दूर तक सुनाई दी। आज, आयुष्मान भारत योजना ने 4.8 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान की है।

जब केन्द्र सरकार ने 2018 में 'पोषण अभियान' शुरू किया, तो प्रधानमंत्री ने बच्चों और माताओं के बीच पोषण संबंधी संकेतकों में सुधार के लिए जन आंदोलन का आह्वान किया। तब से, कई स्वयं सहायता समूहों और आंगनवाड़ी केंद्रों ने देश के बच्चों को कुपोषण और स्टंटिंग से मुक्त करने के लिए अद्वितीय और लक्षित समाधान खोजे हैं। जब असम से 'प्रोजेक्ट संपूर्ण' और मध्य प्रदेश से 'पोषन मटका' जैसी पहलों को लेकर 'मन की बात' में चर्चा की गई तो कई अन्य राज्यों के संगठनों ने अपने क्षेत्र में इसी तरह के मॉडल को दोहराया। इतना ही नहीं, इस तरह की मान्यता ने और लोगों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें मौजूदा आंदोलनों में ला दिया।

भारत में पारंपरिक चिकित्सा का एक लंबा इतिहास है, जो हजारों साल पहले का है। सरकार ने रोकथाम, कल्याण और उपचार में आयुष प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का संवाद हमारी पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों के बारे में देशवासियों के बीच अभूतपूर्व जागरूकता पैदा करने में सहायक रहा है। इसने समग्र स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती मांग और आयुष उत्पादों के उपयोग में भारी वृद्धि में योगदान दिया है। स्वस्थ जीवन के बड़े उद्देश्य के लिए पारंपरिक और आधुनिक प्रणालियों के बीच तालमेल बैठाने के लिए अब मांग बढ़ रही है।

कोविड-19 महामारी के दौरान 'मन की बात' का एक सशक्त राष्ट्रव्यापी प्रभाव देखा गया। मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग में लोगों के सहयोग से लेकर, फ्रंटलाइन वर्कर्स के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने तक, 'मन की बात' ने एक माध्यम के रूप में आशा, संकल्प और विश्वास के अग्रदूत के रूप में अपनी भूमिका साबित की है। प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के विरुद्ध संघर्ष को लेकर राष्ट्रीय प्रत्युत्तर के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन के साथ एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने उस कठिन समय में परिवार के देखभाल करने वाले बुजुर्ग के रूप में लोगों के साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाने के लिए 'मन की बात' मंच का उपयोग किया।

'मन की बात' स्वस्थ भारत के लिए राष्ट्रीय एकता के निर्माण का सशक्त माध्यम बन गया है। जब प्रियंका प्रियदर्शिनी ने 'मन की बात' पर नि-क्षय मित्र के बारे में सुना, तो उन्होंने पांच रोगियों को स्वस्थ बनाने में उनका समर्थन करने के उद्देश्य से उन्हें गोद लिया!

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में टीबी से लेकर कालाजार तक और स्वच्छता से लेकर समग्र स्वास्थ्य से जुड़े कई विशिष्ट विषयों को छुआ है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के संवेदनशील मुद्दे पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने इस 'वर्जित' विषय पर चर्चा की और लोगों को खुली बातचीत करने और कठिन मानसिक स्थिति में मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया।

हाल ही में 'मन की बात' के एक एपिसोड में, प्रधानमंत्री ने अंग प्रत्यारोपण की बात की। उन्होंने नागरिकों को अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए और अधिक अंगदान करने के लिए प्रेरित किया। दो परिवारों के साथ उनकी मार्मिक बातचीत, जिनके परिजनों ने दूसरों को जीवन देने के लिए अंगदान किया, मेरी आंखों में आंसू आ गए।

लोगों को प्रधानमंत्री में एक दोस्त और एक मार्गदर्शक आवाज मिली है और जब वह 'मन की बात' के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और देखभाल की बात करते हैं, तो राष्ट्र वास्तव में सुनता है और कार्य करता है।

(ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं।)

बिल्डर से रंगदार बनने की योजना नाकाम, होटल हिलटॉप पर फायरिंग की घटना का खुलासा

शिकंजे में दहशतगर्द

संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस ने शहर के सेक्टर- 4 सिटी सेंटर स्थित होटल हिलटॉप और कोजी स्वीट्स पर हुई फायरिंग की घटना का खुलासा करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया। घटना के 13 दिनों बाद मामले का खुलासा हुआ और वारदात में शामिल सभी दहशतगर्द पुलिस के शिकंजे में आ गए। साथ ही, उनके पास से देसी पिस्टल व कार्बाइन सहित कई राउन्ड जिन्दा कारतूस बरामद किया। एसपी चंदन कुमार झा के अनुसार घटना के पीछे एक बिल्डर का हाथ था, जो रंगदारी के धंधे में उतरने के लिए अपना एक गिरोह तैयार करने की योजना में लगा था। उन्होंने बताया कि होटल संचालक के लिखित आवेदन के आधार पर सेक्टर- 4 थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। साथ ही, पुलिस उपाधीक्षक (नगर) के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। इस टीम द्वारा कांड के उद्भेदन को लेकर अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध लगातार अलग-अलग स्थानों पर छापामारी की जा रही थी। इसी दौरान गुरुवार की देर शाम गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस को शहर के दुंदीबाद स्थित एक मोबाइल दुकान के बगल वाली झोपड़ी में किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे कुछ अपराधियों के छिपे होने की सूचना मिली। इस आधार पर पुलिस ने झोपड़ी की घेराबंदी कर जब वहां छापामारी की तो वहां छिपे अपराधी भागने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें दबोचते हुए वहां से तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें कौशल बिहारी उर्फ कौशल प्रसाद, गौरव तिवारी तथा अमित कुमार महली के नाम शामिल हैं। तीनों अपराधियों की तलाशी के दौरान कौशल बिहारी के पास से 5 राउंड लोडेड देशी कार्बाइन एवं मोबाइल, गौरव तिवारी के पास से पांच राउंड लोडेड देशी पिस्टल व मोबाइल तथा अमित कुमार महली के पास से चार राउन्ड लोडेड एक 9 एमएम की मैगजीन बरामद किया गया। इसके अलावा इनके पास से कई मोबाइल फोन व दो मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

पुलिस अधीक्षक के अनुसार पूछताछ के दौरान इन अपराधकर्मियों ने बताया कि विगत 15 अप्रैल की रात्रि में इन्हीं लोगों के द्वारा इसी सफेद अपाचे मोटरसाइकिल से बिहार के कुछ अन्य अपराधियों के साथ मिलकर कोजी स्वीट्स के ऊपर होटल हिलटॉप पर उक्त बरामद कार्बाइन से फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। तीनों अपराधकर्मियों ने बताया कि बबलू किलो उर्फ आशुतोष गौतम, जो आर्या विहार में बिल्डर का काम करता है, उसे विगत कुछ वर्षों से अपने काम में बहुत सारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिस कारण बबलू किलो एक आपराधिक गिरोह तैयार कर अंदरूनी सहयोग प्राप्त करना चाहता था, जो उसके कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग कर सकें। इसी योजना के तहत बबलू किलो उर्फ आशुतोष गौतम द्वारा एक आपराधिक षड्यंत्र के तहत 15 अप्रैल की रात्रि में कोजी स्वीट्स ऊपर होटल हिलटॉप पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया था।

एसपी ने बताया कि घटना में शामिल अन्य अपराधियों के सत्यापन और उसकी गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है। छापामारी में बोकारो के सिटी डीएसपी कुलदीप कुमार, बोकारो स्टील सिटी के थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक महेश प्रसाद सिंह, बालीडीह के थाना प्रभारी रामप्रवेश कुमार, हरला के थाना प्रभारी संतोष कुमार, यातायात थाना प्रभारी गजेंद्र पांडेय, पेटरवार के थाना प्रभारी विनय कुमार, सेक्टर 4 थाना के प्रवीण कुमार गुप्ता, रवि यादव, सुमित तिर्की, बीएससीटी थाना के पवन कुमार, शशिकांत प्रशांत कुमार सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

इधर, मंदिरों में चोरी की घटनाओं का भी पर्दाफाश

बोकारो पुलिस ने हाल के दिनों में जिले के कई थाना क्षेत्रों के मन्दिरों में चोरी की लगातार हो रही घटनाओं का उद्भेदन करने में भी सफलता पाई है। पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार झा के निर्देश पर गठित एसआईटी (विशेष जांच दल) ने विभिन्न मामलों का खुलासा करते हुए चोरी की घटनाओं में संलिप्त चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, उनकी निशानदेही पर चोरी में प्रयुक्त औजार व दानपेटी सहित एक मोटरसाइकिल बरामद की। पकड़े गए अपराधियों में रजरप्पा निवासी सदाकत राय उर्फ सदाकत हुसैन, कसमार के सूरज रजवार और आफताब अली तथा जरीडीह निवासी कुलदीप सिंह के नाम शामिल हैं। सभी चोरी सहित अन्य आपराधिक मामलों में पुलिस के लिए पहले से वांछित है।

पहल श्रमिकहितों के प्रति तत्पर बोकारो इस्पात प्रबंधन, वित्तीय अधिकारों की दी जानकारी

श्रमवीर बनाए गए प्रगति के साझेदार

01 मई - मजदूर दिवस पर विशेष

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात प्रबंधन श्रमिकों के हित के प्रति सदैव प्रयत्नशील रहा है। स्टील निर्माण में श्रमवीरों की भूमिका को मानते और उन्हें सम्मानित करने का सिलसिला दशकों से चला आ रहा है। उनके स्वास्थ्यहित के लिए कार्यस्थल पर स्वास्थ्य-जांच शिविर, वित्तीय व योजनाओं की जानकारी देने के लिए कार्यस्थल पर कार्मिक जैसे आयोजन होते रहे हैं। कार्यस्थल पर सुरक्षा के लिए भी समय-समय पर विशेष प्रशिक्षणों का भी दौर जारी रहता है। निदेशक प्रभारी एवं सेल के भावी चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश के मार्गदर्शन में इन प्रयासों को और गति दी जा रही है। इसी कड़ी में प्लांट के कार्मिक विभाग के ठेका मजदूर प्रकोष्ठ की ओर से बीएसएल में विभिन्न ठेकेदारों के अधीनस्थ कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए प्रगति में साझेदारी नामक एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास के मुख्य सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 350 ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों को उन्हें मिलने वाली न्यूनतम मजदूरी दर, भविष्य निधि से सम्बंधित लाभ, कर्मचारी राज्य बीमा के अंतर्गत प्राप्त होने वाली सुविधाओं इत्यादि की जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी एवं अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं वरीय अधिकारी उपस्थित थे। श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी हेतु सहायक भविष्य निधि आयुक्त, बोकारो जिला, एके पूर्ति एवं प्रवर्तन अधिकारी ऋतुराज कुमार तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम, बोकारो जिला के शाखा प्रबंधक, अनिल कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित थे। आरम्भ में मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरि मोहन झा ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रबंधक (कार्मिक - ठेका मजदूर प्रकोष्ठ) पंकज कुमार ने एक प्रस्तुतीकरण द्वारा ठेका श्रमिकों को मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं से सम्बंधित जानकारी साझा की। ठेका श्रमिकों को सम्बोधित करते हुए श्री तिवारी ने सभी को सुरक्षा के मानकों का पालन करते हुए कार्य करने का सन्देश दिया। श्री तिवारी ने ठेकेदारों द्वारा अधिसूचित दरों से श्रमिकों को मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने हेतु बोकारो स्टील प्लांट की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि हम सब को प्लांट के हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करना है और किसी भी स्थिति में अनुशासन का पालन सुनिश्चित करना है। श्री प्रसाद ने अपने सम्बोधन में कहा कि ठेका श्रमिक किसी भी तरह की समस्या होने पर ठेका मजदूर प्रकोष्ठ के अधिकारी, शॉप के कार्मिक अधिकारी, इंजीनियर इंचार्ज को जानकारी दें जिससे उसका समाधान हो सके।

महाप्रबंधक (सुरक्षा) विकास गुप्ता ने ठेका श्रमिकों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सुरक्षित कार्यप्रणाली के बारे में बताया। भविष्य निधि कर्मचारी संगठन तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारियों ने ठेका श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाओं तथा सम्बंधित योजनाओं की जानकारी दी तथा श्रमिकों की समस्याओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (कार्मिक-ठेका मजदूर प्रकोष्ठ) नीरज कुमार त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (कार्मिक-ठेका मजदूर प्रकोष्ठ) प्रांजलि ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्मिक विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अहम योगदान रहा।

वोकेशनल अवॉर्ड देने की नई पहल हुई शुरू

बोकारो रोटरी ने सम्मान-समारोह से दी गति

संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर- 4 स्थित पॉल हेरिस सभागार में वोकेशनल अवार्ड 2023 का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्षा निरूपमा सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए किया। उन्होंने वोकेशनल अवार्ड को परिभाषित करते हुए कहा कि वह शिक्षा, जो हमें अपने दोनों पैरों पर खड़े होने में सक्षम बनाती है और अपनी आजीविका कमाने में सहायक होती है, वही व्यावसायिक शिक्षा होती है। कार्यक्रम में उन लोगों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने रोटरी के विभिन्न कार्यकलापों और प्रोजेक्ट में रोटरी को निःस्वार्थ भाव से अपना सहयोग दिया। इनमें चास के एक निजी अस्पताल के 9 डॉक्टर और 26 पैरामेडिकल स्टाफ, विभिन्न स्कूलों में रोटरी क्लब द्वारा लगाए गए शिविरों में बच्चों के डेंटल चेकअप में सहयोग देने वाले इंडियन डेंटल एसोसिएशन के 21 चिकित्सकों, बोकारो जेनरल हॉस्पिटल के 2 डॉक्टर और 10 पैरामेडिकल स्टाफ को भी सम्मानित किया, जो रोटरी द्वारा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस एवं स्वाधीनता दिवस पर ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन करते हैं। इनके अलावा शहर के 13 पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन धर्मपाल ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन सचिव घनश्याम दास ने किया। मौके पर पीडीजी अनिल कुमार, पीडीजी महेश केजरीवाल, अशोक तनेजा, जयवंत सेठ, प्रदीप नारायण, अशोक जैन, बिपिन सिंह, मनोज अग्रवाल, अनिल त्रेहान, डॉ जॉन ल्यू, संजय तिवारी, अभय गिरि, अनिल त्रिपाठी, अशोक केडिया, डॉ. मुंशी, संजय जैन, प्रदीप रे, मनु श्रीवास्तव, डॉ राजदीप, कुमार अनीश, कुमार निशांत, पुष्पा केजरीवाल, पूनम त्रेहान, नामित धर्मपाल, सुनीता जैन, सीमा गिरि, श्रीमोयी, चंद्रिमा रे, कुंजला नारायण, नमिता श्रीवास्तव, नीलम दास, संध्या राज, रीता मुंशी आदि मुख्य रूप से सम्मिलित थे।

ओएनजीसी मना रहा ऊर्जा संरक्षण पखवाड़ा 'सक्षम'

प्रकृति के प्रति औद्योगिक संगठनों की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण : अमरेन्दु

संवाददाता
बोकारो : ओएनजीसी (सीबीएम परिसम्पत्ति), बोकारो की ओर से इन दिनों ऊर्जा संरक्षण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश व ओएनजीसी, सीबीएम परिसम्पत्ति के अधिशासी निदेशक सह- परिसम्पत्ति प्रबंधक आदित्य जौहरी व अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान श्री प्रकाश ने उपस्थित पदाधिकारियों को सामूहिक रूप से ऊर्जा संरक्षण के लिए शपथ दिलाई। इसमें सभी ने अपने सभी कार्यों में पेट्रोलियम उत्पादों के संरक्षण हेतु सतत प्रयासरत रहने की शपथ ली, ताकि देश की प्रगति के लिए आवश्यक इन सीमित संसाधनों की आपूर्ति अधिक समय तक संभव हो सके। इस दौरान ओएनजीसी के अधिकारियों व कर्मियों ने आदर्श नागरिक होने के नाते पेट्रोलियम पदार्थों के व्यर्थ उपयोग को रोकने के लिए लोगों को जागरुक करने का संकल्प लिया, ताकि आने वाली पीढ़ी के लिए एक बेहतर वातावरण सुनिश्चित कर एक नए व स्वस्थ भारत का निर्माण किया जा सके।
इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि व बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश ने कहा कि मानवता के विकास के साथ-साथ प्रकृति में भी बदलाव हो रहा है। इस धरती पर जो भी चीजें प्रकृति प्रदत्त हैं, उनका स्वरूप बदलकर हम उसका उपयोग करते हैं। अगर हमारे पास अधिकार है, तो हमारी जिम्मेदारी भी होनी चाहिए। इस धरती से हम जो कुछ भी ले रहे हैं, तो हमारा यह दायित्व भी बनता है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग जिम्मेदारी के साथ करें। श्री प्रकाश ने ओएनजीसी के इस अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्कूलों में जाकर बच्चों को ऊर्जा संरक्षण का महत्व बताना निश्चय ही प्रशंसनीय है, क्योंकि बचपन में जो चीजें हम सीखते हैं, उसका प्रभाव हमारे जीवन में हमेशा रहता ही है। उन्होंने ओएनजीसी द्वारा ऊर्जा संरक्षण- नेट जीरो की ओर विषय को लेकर शुरू किए जा रहे सक्षम-2023 पखवाड़ा जैसे अभियान को भावी पीढ़ी के लिए आवश्यक बताया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओएनजीसी (सीबीएम एसेट) के अधिशासी निदेशक सह- परिसम्पत्ति प्रबंधक आदित्य जौहरी ने ऊर्जा संरक्षण पखवाड़ा के आयोजन का उद्देश्य नागरिकों को जागरुक करना है, क्योंकि आज अगर हम पेट्रोलियम पदार्थों के व्यर्थ उपयोग पर रोक नहीं लगा सके तो हमारी भावी पीढ़ी का भविष्य कठिनाई पूर्ण होगा। कार्यक्रम में कम्पनी के निगमित संचार प्रमुख राजीव प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

साइकिल रैली निकाल जागरुकता का दिया संदेश

ऊर्जा संरक्षण जागरुकता कार्यक्रम के तहत सेक्टर-4 स्थित महात्मा गांधी चौक से साइकिल रैली निकाली गई। इस अवसर पर बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक बीएस पोपली, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के सहायक प्रबन्धक एमपी सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने वर्तमान दौर में ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। सीजीएम बीएस पोपली ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल रैली में शामिल लोगों को रवाना किया। साइकिल सवार लोग महात्मा गांधी चौक से बोकारो मॉल होते हुए पत्थरकट्टा चौक पहुंचे। मौके पर बीएसएल के महाप्रबंधक राजुल, कुमार अमरदीप, उत्पल मुखर्जी, अशोक केडिया, आलोक रस्तोगी, एमएम श्रीवास्तव, नागेंद्र गुप्ता, परशुराम राम आदि उपस्थित थे।

जज्बा गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर के पुत्र हिमालय के बेस कैंप पर पहुंचे

शिखर की ओर बढ़ते शशि शेखर

संवाददाता
बोकारो : शशि शेखर ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई प्रारंभ की है। एवरेस्ट की चढ़ाई चढ़ते हुए वह माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप पर पहुंच गए हैं। इसकी ऊंचाई 5364 मीटर है। शिखर तक की चढ़ाई के लिए शशि शेखर ऐक्लीमेटाइज और ट्रेनिंग कर रहे है। अनुकूल मौसम के संकेत मिलते ही मां सागरमाथा के पारंपरिक पूजन के बाद आगे चढ़ाई की जाएगी। शशि शेखर इतिहास रचने से कुछ कदम दूर हैं। शशि शेखर शिखर पर पहुंच कर तिरंगा लहरायेंगे। इसके पूर्व शशि शेखर ने माउंट मणिरंग के सम्मिट कैंप पर तिरंगा फहराया था, जो लगभग 19000 फीट पर स्थित है। माउंट मणिरंग हिमाचल प्रदेश में स्थित भारत की सबसे ऊंची चोटियों में से एक है, जिसकी कुल ऊंचाई 21631 फीट है। बता दें कि शशि शेखर गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो के पुत्र हैं। शशि शेखर ने शांति रॉय, जो पश्चिम बंगाल के सबसे पुराने माउंटेनियरिंग क्लब में से एक ट्रैवलर्स गिल्ड के सेक्रेटरी हैं, के मार्गदर्शन में इस एक्सपीडिशन का प्रयास किया। शशि शेखर ने इससे पूर्व नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड एडवेंचर स्पोर्ट्स (आईएमएमएएस), अरुणाचल प्रदेश से बेसिक पर्वतारोहण का कोर्स किया है, जहां उन्होंने 16500 फीट पर स्थित गोरिचेन ग्लेशियर पर ट्रेनिंग किया था। इसके बाद उन्होंने हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट से एडवांस माउंटेनियरिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
उन्होंने सर्च एवं रेस्क्यू कोर्स भी पूरा किया है। पर्वतारोहण के शौकीन शशि शेखर का आगे चलकर कई ऊंची चोटियों पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य है। उनकी इस उपलब्धि पर कई गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही, यह उम्मीद जताई है कि आने वाले समय में वह नया-नया कीर्तिमान स्थापित कर झारखंड का नाम देश-दुनिया में रौशन करेंगे।

हफ्ते की हलचल

समिति ने नियोजन संबंधी कार्यों का लिया जायजा

बोकारो : झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) अपने दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंची। समिति के सभापति नलिन सोरेन एवं सदस्य सुदिव्य सोनू ने बोकारो परिसदन में जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों, बीडीओ, सीओ आदि के साथ बैठक की। मौके पर डीडीसी कीर्तिश्री जी., अपर नगर आयुक्त चास अनिल कुमार सिंह, अपर समाहर्ता सादात अनवर, जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार, जिला नियोजन पदाधिकारी मनोज मंजित समेत अन्य उपस्थित थे। बैठक में समिति के सभापति एवं सदस्य ने झारखंड राज्य निजी क्षेत्र स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन अधिनियम 2021 और नियमावली 2022 के तहत अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी से प्राप्त की। साथ ही, 15 मई तक सभी कंपनियों को झारखंड नियोजन पोर्टल झारनियोजन डॉट झारखंड डॉट जीओवी डॉट इन पर निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

चास रोटरी ने चलाया जागरुकता कार्यक्रम

बोकारो : रोटरी क्लब, चास की ओर से शनिवार को चीराचास स्थित रोटरी भवन में एक जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। चास रोटरी के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने रोटरी क्लब के क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सदस्यों को चास रोटरी द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों में अपना सक्रिय योगदान बनाये रखने हेतु प्रेरित किया। चास रोटरी क्लब के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि लोगों को उनके अधिकार के प्रति जागरुक करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित चास महिला थाना थाना की अधिकारी सुमेरी हेंब्रम ने महिलाओं के लिए महिला थाना की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सदस्यों को महिला अधिकारों को लेकर जागरुक किया। इस अवसर पर चास महिला थाना की अधिकारी उर्मिला कुमारी, चास रोटरी की सचिव पूजा बैद, माधुरी सिंह, ब्रेंडा टबोडा, डिंपल कौर, कल्याणी गुप्ता, उषा सिंह, अर्चना सिंह, उषा कुमार, रंभा सिंह, पूनम अग्रवाल, किरण कुमार, डॉ पुष्पा, कैंडिडा टबोडा, राखी चौधरी, शिवानी तनेजा, नेहा अग्रवाल, सेल रस्तोगी, डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. सुमन कुमार, मनोज चौधरी, विनय सिंह, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, विनोद चोपड़ा, प्रेम शंकर सिंह, दीपक अग्रवाल, संजय रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

जानकी नवमी पर सखी-बहिनपा का कार्यक्रम

बोकारो : सखी बहिनपा, मैथिलानी समूह, बोकारो इकाई द्वारा सेक्टर 4 सिटी सेंटर स्थित सेलिब्रेशन हॉल में जानकी (सीता) नवमी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एडमिन अमिता झा व उषा झा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में समूह की महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को आनंदित किया। उद्घाटन मुख्य अतिथि सखी बहिनपा समूह की महासचिव मनोरमा झा सहित वरिष्ठ सदस्याओं ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत जया द्वारा प्रस्तुत जानकी वर्णन नृत्य से हुई। तत्पश्चात उषा झा, जयंती पाठक, सुजाता, मुन्नी झा, नूतन झा, मीनाक्षी व प्रीति प्रिया ने समूह गान सियाजी बनली कनिया, वर बनल छथि राम.... की सुंदर प्रस्तुति की। आशा झा, अमिता झा, पूनम झा, आशा पाठक, नमिता झा, नंदा झा, उषा झा ने भी गाए। नूतन झा, संगीता झा, प्रीति रॉय, प्रीति प्रिया, सुजाता झा, जयंती पाठक ने सीता सोहर गीत पर समूह नृत्य प्रस्तुत किया। प्रीति राय ने एकल नृत्य व संगीता मिश्रा एवं प्रीति प्रिया ने युगल नृत्य की सुंदर प्रस्तुति से सभी को आनंदित किया। कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा सीता आइ के परिप्रेक्ष्य में (सीता आज के परिप्रेक्ष्य में) विषय पर परिचर्चा का आयोजन, जिसमें कल्याणी मिश्रा को प्रथम, जयंती पाठक को द्वितीय व नीलम झा को तृतीय पुरस्कार मिला।

केवि - 1 में बाल विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित

बोकारो : नगर के सेक्टर-4 स्थित केंद्रीय विद्यालय-1 बोकारो के प्रांगण में संभाग स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण प्रदर्शनी तथा 50 वी राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी 2023 का आयोजन किया गयाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विद्यालय संगठन, रांची संभाग के उपायुक्त डीपी पटेल थे। इस प्रदर्शनी में केंद्रीय विद्यालय संगठन रांची संभाग के 42 में से कुल 37 विद्यालयों के 183 छात्रों ने हिस्सा लिया और अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का परिचय दिया। बच्चों ने अपनी मौलिक प्रतिभा का उपयोग करते हुए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, पर्यावरण अनुकूल सामग्री, स्वास्थ्य और स्वच्छता, परिवहन और नवाचार, पर्यावरण संबंधी चिंताएं, वर्तमान नवाचार के साथ ऐतिहासिक विकास तथा हमारे लिए गणित विषयों पर अपने प्रदर्श दिखाए। मुख्य अतिथि श्री पटेल ने कहा कि सर्वाधिक युवा आबादी वाला देश भारत विश्व को नई राह दिखा सकता है प्राचार्य ललित मोहन बिष्ट ने कहा कि विज्ञान का मतलब प्रकृति को जीतना नहीं बल्कि प्रकृति को समझना होना चाहिए। इसी में हमारे ज्ञान और विज्ञान की सार्थकता है।

जेईई मेन : झारखंड के विद्यार्थियों ने बनाया कीर्तिमान

लोहरदगा के आयुष को मिला अबतक का सर्वश्रेष्ठ 99.99 परसेंटाइल

संवाददाता

रांची : इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित देश की सबसे प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) 2023 में झारखंड के विद्यार्थियों ने अपनी कुशल मेधाविता का परिचय देते हुए शानदार परिणाम हासिल किया। लोहरदगा के रहने वाले आयुष कुमार सिंह 99.99 परसेंटाइल अंक के साथ झारखंड के टॉपर बने हैं। यह इस बार जेईई मेन की परीक्षा में किसी भी विद्यार्थी को प्राप्त हुए परसेंटाइल में पूरे झारखंड में सबसे अधिक है। उसने इन लोहरदगा एमबीडीएवी पब्लिक स्कूल से उत्कृष्ट अंकों के साथ दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। 11वीं और 12वीं की परीक्षा एले गार्डन रांची से उत्तीर्ण की है। पिता रवि भूषण सिंह हिंडाल्को कंपनी के लोहरदगा रेलवे साइडिंग स्थित अनलोडिंग स्टेशन में साइडिंग इंचार्ज हैं। आयुष की मां नीलिमा देवी शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर की शिक्षिका हैं। आयुष के अलावा राज्य के टॉप- 5 विद्यार्थियों की चर्चा करें, तो रांची के आदित्य प्रकाश ने 99.98, साबिल अहमद ने 99.98, प्रतीक रतन ने 99.95, निशांत कुमार ने 99.95, पतरातू के विभांश कुमार ने 99.97, जमशेदपुर के तुषार कुमार सिन्हा ने 99.94 व धनबाद के आदित्य रंजन सिन्हा ने 99.91 परसेंटाइल स्कोर हासिल किया है। जेईई मेन दो सत्रों में आयोजित किया गया था। परीक्षा का पहला सत्र 24 जनवरी से 01 फरवरी के बीच हुआ था, जबकि दूसरा सत्र 6 से 12 अप्रैल की अवधि में आयोजित किया गया था।

बोकारो में 99.84 परसेंटाइल के साथ निखिल अव्वल

बोकारो : जेईई मेन 2023 में बोकारो के छात्र-छात्राओं ने अपनी मेधाविता के अनुरूप एक बार पुनः शानदार प्रदर्शन किया है। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया, जिनमें डीपीएस बोकारो, होलीक्रॉस, चिन्मय विद्यालय एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। जेईई मेन के प्रथम सत्र में 99.7 परसेंटाइल लाने वाले होली क्रॉस स्कूल के छात्र निखिल राज ने दूसरे सत्र में बाजी मार ली। उसे 99.84 परसेंटाइल मिले और वह जिला टॉपर हो गया। दूसरे स्थान पर 99.83 परसेंटाइल के साथ डीपीएस बोकारो के मेधावी छात्र कृष चंचल रहे। प्रथम सत्र में कृष जिला टॉपर था। चास निवासी व्यवसाई अजय कुमार का पुत्र निखिल कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई कर एक सफल इंजीनियर बनना चाहता है। उसकी मां अनुराधा गृहिणी हैं, जिन्होंने सदैव अपने पुत्र का मार्गदर्शन किया। उसने रोजाना लगभग 6 से 8 घंटे पढ़ाई की और यह कामयाबी पाई। निखिल को शतरंज खेलना पसंद है। कृष चंचल भी सफल कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता है। बैंककर्मी मनीष कुमार चंचल एवं गृहिणी सुनीता चंचल के होनहार पुत्र कृष ने 10वीं की परीक्षा में 97.8% अंक प्राप्त किया था।

99.83 परसेंटाइल के साथ डीपीएस बोकारो में कृष रहा टॉपर

डीपीएस बोकारो में कृष चंचल ने सबसे अधिक 99.83 परसेंटाइल लाकर टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया है। जबकि, हर्ष बिहानी 99.78 तथा श्रेयान घोष 99.53 परसेंटाइल लाकर क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। शनिवार को जेईई मेन के दूसरे व अंतिम सत्र का परिणाम भी जारी कर दिया गया। दोनों सत्रों में बेहतर समेकित प्रदर्शन के आधार पर समाचार लिखे जाने तक 95 या इससे अधिक परसेंटाइल लाने वाले 36 विद्यार्थियों सहित 69 परीक्षार्थियों को 90 से ज्यादा परसेंटाइल मिले हैं। 11 परीक्षार्थियों ने 99 से अधिक परसेंटाइल हासिल किए। प्राचार्य डॉ. ए.एस. गंगवार ने इंजीनियरिंग की इस प्रतिष्ठित परीक्षा में अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं की अच्छी सफलता पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए जेईई एडवांस्ड में भी उनके बेहतर परिणाम की उम्मीद जताई और इसके लिए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।

चिन्मय विद्यालय में आकृति स्कूल टॉपर

बोकारो : चिन्मय विद्यालय में आकृति कुमारी ने 99.589 परसेंटाइल लेकर विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया है, तो 99.246 परसेंटाइल लाकर उज्जवल लाल दूसरे स्थान पर रहे। इनके अलावा हर्षित सम्राट 99.018, रोनित राय 98.87, हर्ष राज 98.78, अंशु अमन 98.50, शुभम कुमार 98.26, प्रियांश पीयूष 98.101, सिद्धांत कुमार 98.50, श्रेयांश स्नेहल 97.88, सिद्धार्थ राज 97.63, ऋषभ कुमार 97.583, नमन कुमार 97.22, स्वर्णिका पारूल 97.08 ने अच्छी सफलता पाई। इसके साथ-साथ चंद्रकांत सुमन, अनुराग रंजन, हिमांशु कुमार, सोमांशु कुमार, देशराज किशन, विष्णु कुमार, हिमांशु कुमार, ऋषभ तिवारी, अमन आर्यन, ईशान आदि बच्चों ने सफलता पाई। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर चिन्मय मिशन की आचार्य स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बी. मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और आगामी परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन की आशा व्यक्त की।

डीपीएस चास में सृजन को प्रथम स्थान

चास : जेईई में में इस वर्ष विद्यालय के 26 प्रतिशत छात्रों ने 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किया है। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में सृजन सिन्हा ने 98.5 परसेंटाइल, हर्ष कुमार ने 96 परसेंटाइल, हेमंत कुमार ने 93 परसेंटाइल, युवराज ने 87 परसेंटाइल अंक प्राप्त किए हैं। इसके अलावा लगभग 6 विद्यार्थियों ने 87 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त किया है। विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि यह विद्यालय बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने व उनके सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। स्कूल की कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने कहा कि बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए शिक्षक योजनाबद्ध तरीके परिश्रम करते हैं। यह रिजल्ट उसी परिश्रम का परिणाम है। मौके पर डीएस मेमोरियल के सचिव सुरेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर सफल विद्यार्थियों के साथ पूरे विद्यालय परिवार को बधाई दी।

'वन रैंक, वन पेंशन' को ले होगा संघर्ष

हक की जंग... झारखंड के पूर्व सैनिकों ने लिया निर्णय, बनाई रणनीति

संवाददाता

रांची : जेसीओ जवानों के संगठन यूनाइटेड फ्रंट झारखण्ड के बैनर तले पूर्व सैनिकों का एक राज्यस्तरीय सम्मेलन राजधानी रांची में आयोजित हुआ, जिसमें राज्य के सभी जिलों से पूर्व सैनिक एवं वीर नारी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ वेटरन वीर बहादुर सिंह, अनिरुद्ध सिंह, सुशील कुमार सिंह, अविनाश कुमार, एनके मुखोपाध्याय, समीर रक्षित, आभास नाथ आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया और राष्ट्रगान के साथ भारत माता की जय और वंदे मातरम... के उद्घोष के नारे लगाए गए। वॉइस ऑफ एक्सर्विस मैन सोसायटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश कुमार एवं अनिरुद्ध सिंह ने सभी जिला से आये अतिथियों का स्वागत करते हुए झारखण्ड के पूर्व सैनिकों को होने वाली समस्याओं एवं ओआरओपी की विसंगतियों के साथ समान मिलिट्री सर्विस-पे की जानकारी दी।

प्रतिनिधियों ने भी अपनी समस्याओं की विस्तार से चर्चा की एवं भारतीय तीनों सेनाओं में अंग्रेजी कायदा कानूनों को सुधारने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि भारतीय सेना का मनोबल ऊंचा हो और विश्व की सबसे मजबूत सेना बन सके। मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह ने वन रैंक वन पेंशन की खामियों एवं उनके समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर सरकार ने ओआरओपी और वेतन आयोग की विसंगतियों, कैंटीन, ईसीएचएस, डीजीआर, जिला सैनिक बोर्ड आदि की रैंक आधारित भेदभाव की नीतियों को दूर नही किया तो आगामी 6 अगस्त 2023 को रामलीला मैदान, नई दिल्ली में लाखों की संख्या में पूर्व सैनिक प्रदर्शन करेंगे।

यूनाइटेड फ्रंट का विस्तार किया गया

बैठक में यूनाइटेड फ्रंट झाखण्ड का विस्तार किया गया, जिनमें अनिरुद्ध सिंह प्रदेश को-ऑर्डिनेटर, सुशील कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष, दिनेश्वर सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आभास नाथ उपाध्यक्ष, समीर रक्षित उपाध्यक्ष, संगठन मंत्री राजीव रंजन, राकेश मिश्रा संयुक्त सचिव, ओम प्रकाश शर्मा मीडिया प्रभारी तथा जीएन पांडेय, मनोज झा, शैलेन्द्र कुमार, विशाल कुमार एवं सुरेंद्र विश्वकर्मा कार्यकारणी सदस्य बनाये गये।

सीतामढ़ी में श्रद्धा के साथ मना मां जानकी जन्मोत्सव

मिथिला डायरी

सतीश कुमार झा

सीतामढ़ी : बिहार के सीतामढ़ी में जगतजननी माता जानकी का जन्मोत्सव जानकी नवमी इस वर्ष पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। माता सीता के अवतरण दिवस पर पूरा सीतामढ़ी जानकीमय बना रहा। साथ ही, पूरे शहर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। माता जानकी की प्राकट्य स्थली पुनौरा धाम में विशेष आयोजन किया गया। इस मौके पर पुनौरा धाम से शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जिसमें देवाधिदेव महादेव, भगवान राम, माता जानकी सहित अन्य देवी-देवताओं की वेषभूषा में युवक-युवतियां साथ चल रहे थे। धार्मिक परिधान, माथे पर कलश और मां जानकी के जयकारे। कुछ ऐसा ही नजारा पूरी शोभा यात्रा के दौरान देखने को मिला।

वैसे तो सीताजी की अवतरण स्थली पुनौरा धाम बराबर श्रद्धालुओं और भक्तों से गुलजार रहता है, लेकिन जानकी नवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं में एक अलग उत्साह देखा गया। भारी संख्या में महिला-पुरूष नए परिधान पहनकर माता जानकी के दरबार में पहुंचते रहे और मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर माता जानकी की बाल स्वरूप धनुषधारी प्रतिमा का पूजन किया गया।

गाजे-बाजे संग निकली शोभायात्रा

जानकी नवमी के अवसर पर मां सीता की जयकारे से सीतामढ़ी शहर गुंजयमान रहा। दरअसल, वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी को मां जानकी इस धरा पर अवतरित हुई थीं। इसी कारण इसे सीता नवमी और जानकी नवमी, दोनों ही नामों से जाना जाता है। जानकी नवमी की महत्ता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि नीतीश सरकार को इस दिन राजकीय छुट्टी घोषित करनी पड़ी।

जानकी नवमी पर मना सीतामढ़ी महोत्सव

जानकी नवमी के अवसर पर सीतामढ़ी महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चन्द्र ठाकुर, सांसद सुनील कुमार पिन्टू आदि ने किया। मौके पर विधायक, विधान पार्षद, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत हजारों की संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इसी क्रम में प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने लाइव कॉन्सर्ट कर समां बांध दिया। सुरों की इस शाम में लोग जमकर नाचते-गाते नजर आये।

मंथन से ही फूटेगा अमृत का स्रोत

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

अगणित उन्मादों के क्षण हैं, अगणित अवसादों के क्षण हैं,
रजनी की सूनी घड़ियों को किन-किन से आबाद करूं मैं!
क्या भूलूं, क्या याद करूं मैं!

याद सुखों की आंसू लाती, दुख की दिल भारी कर जाती,
दोष किसे दूं जब अपने से, अपने दिन बर्बाद करूं मैं!
क्या भूलूं क्या याद करूं मैं!

दोनों करके पछताता हूं, सोच नहीं पर मैं पाता हूं,
सुधियों के बंधन से कैसे अपने को आजाद करूं मैं!
क्या भूलूं क्या याद करूं मैं!

यह है हमारी मनःस्थिति, जो यह स्पष्ट करती है कि जीवन में हर बात के, कार्य के, विचार के दो पहलू होते हैं। पर, हमारी दृष्टि संसार चक्र में बहुत एकाकी हो जाती है। अपने बारे में भी विचार करते हैं तो केवल इसी पहलू से विचार करते हैं कि मुझे सुख प्राप्त हो और किसी भी प्रकार से उन्नति प्राप्त हो जाए। दूसरों के बारे में विचार करते समय हम एक अवधारणा निश्चित कर विचार करते हैं।

विचार उठता है मन से और जैसे-जैसे हम उन विचारों को परिपक्व करते हैं, वह हमारी भावनाएं बन जाती हैं और यही भावनाएं हर समय हमारे व्यवहार और कार्य में दिखाई देती हैं। कभी हम सफलता से प्रसन्न होते हैं, कभी हम असफलता से अप्रसन्न होते हैं, कभी हम दूसरों के व्यवहार से व्यथित होते हैं। पर, आवश्यकता इस बात की है कि हम स्वयं को एक क्षण के लिए अलग कर निरपेक्ष रूप से आत्म विश्लेषण करें, तो हम सही निर्णय पर पहुंच सकते हैं। क्योंकि, केवल अवधारणाओं के आधार पर अपने जीवन के सिद्धांतों को नहीं बनाएं, सभी पहलुओं पर मंथन कर क्रियाशील हों।

सबसे बड़ी बात है कि जीवन में कोई अवधारणा निश्चित नहीं होती है। स्थान, समय, काल के अनुसार परिवर्तित होती है, लेकिन हम अपनी

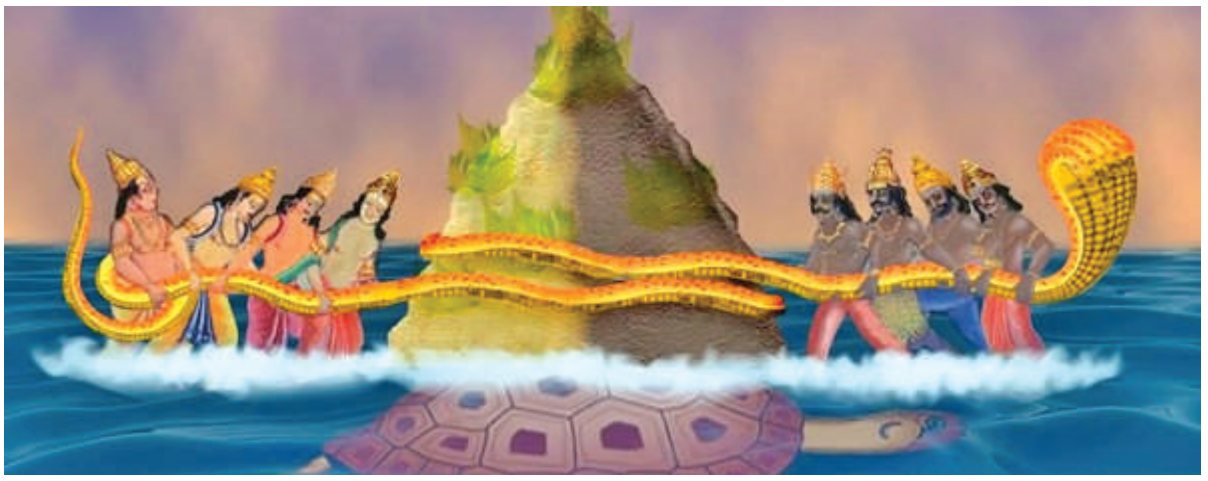

अवधारणाओं को एक सिद्धांत बना देते हैं। अरे भाई! ईश्वर ने हमें विचार करने की, परखने की शक्ति दी है, उस परखने की शक्ति को तीव्र बनाओ और वह मंथन से ही हो सकती है। किसी भी घटना, किसी भी कार्य के सभी पहलुओं पर विचार करें।

जैसे-जैसे यह शक्ति तीव्र होती है, तो आप स्वयं अहम् ब्रह्मास्मि भाव से युक्त हो जाते हैं, स्वयं पारखी बन जाते हैं। अब आपके सामने हीरा लाकर रख दिया जाए तो आप उसे पहचान थोड़े ही पाओगे, लेकिन यदि नित्य प्रति रत्नों के बारे में अध्ययन करोगे, परखोगे तो आप भी एक दिन पारखी बन जाओगे। फिर अपने जीवन में हीरों को एकत्र करेंगे, जीवन के कंकड़-पत्थरों को दूर फेंक देंगे।

तो सबसे पहली बात है कि तत्काल कोई अवधारणा नहीं बनाएं। हम अपनी अवधारणाओं के आधार पर किसी को बुरा कह देते हैं, किसी को भला कह देते हैं, पर हर व्यक्ति में गुण-दुर्गुण, अच्छाई-बुराई साथ-साथ चलती है। किसी में अच्छाई का भाव, सच्चाई का भाव ज्यादा होता है तो किसी ने कम। आपकी दृष्टि जैसी होगी, आपके विचार जैसे होंगे, उसी के अनुसार आप अवलोकन करेंगे और अपनी धारणा बना लेंगे। हर अच्छे व्यक्ति में दो-चार कमियां होती हैं और इसी प्रकार हर बुरे व्यक्ति में दो-चार अच्छाइयां भी होती हैं।

ईश्वर ने हमारे जीवन को केवल एकदम शुभ्र, श्वेत और एकदम स्याह, काला नहीं बनाया है। एक बीच की स्थिति दी है, जिसे ग्रे भाव कह सकते हैं, श्याम भाव कह सकते हैं। ... और विशेष बात क्या है कि हमारे विचारों का प्रवाह किसी भी दिशा में जा सकता है। गुणों की दिशा में भी जा सकता है, कभी बदला लेने की स्थिति में जा सकता है, तो कभी हम अवसाद के क्षणों में अपने आप ही आत्म पीड़ित होते हैं। डिप्रेशन में आते हैं और सब बाधाओं के लिए अपने आप को ही दोषी ठहराते हैं और कभी भाग्य को दोष देने लगते हैं।ऐसी स्थिति में निश्चित रूप से हर मनुष्य को एक मार्गदर्शक की आवश्यकता अवश्य रहती है। सबसे बड़ा मार्गदर्शक तो आपका मन ही है और मन का मार्गदर्शन सदैव स्पष्ट रहता है। क्योंकि, मन का स्थान शिव का स्थान है। जो निर्देशन इस आत्म भाव से, शिव भाव से आते हैं, वह कहीं और से नहीं आ सकते हैं। इसके लिए एक परम सत्ता के प्रति समर्पण का भाव चाहिए। यह परम सत्ता गुरु हो सकते हैं, शिव हो सकते हैं, निराकार ब्रह्म हो सकते हैं। जब आप अपने मन में स्थित परम सत्य स्वरूप शिव, गुरु से अपने मन को जोड़ देते हैं, तो धीरे-धीरे एक ऐसी स्थिति आ जाती है कि आप अपने निर्णय अपने मन से लेते हैं, ना कि दूसरों की देखा-देखी।

आज एक बार विचार करो! आज तक आपने स्वयं कितने निर्णय लिए? स्वयं तो आपने दो-चार ही निर्णय लिये हैं और उन निर्णयों ने ही आपके जीवन को एक सही दिशा दी है। आपको अपने मन के अनुसार जीने का शुभ अवसर प्रदान किया है।

इसलिए गुरु का वचन है कि हे प्रिय शिष्य! मंथन करते रहो, परखते रहो। मंथन करने से ही तो विष दूर होगा और अमृत निकलेगा। ... और अमृत का स्रोत एक बार फूट गया तो आपके स्वयं निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास होता रहेगा। एक बात जान लो! सब मनुष्य समान है और जो मनुष्य अपनी क्षमता का जितना विस्तार करता है, वही उसके जीवन को उन्नत बनाती है, पुष्ट बनाती है, श्रेष्ठ बनाती है, शांत बनाती है और यह सब शक्ति आपके भीतर है। अपने मन का मंथन करते समय किसी भी प्रकार का भावनात्मक उद्वेग नहीं रखें। निष्पक्ष होकर परखें, तब अपने कार्य के गुण-दोष, अपने व्यक्तित्व के गुण-दोष, अपने विचारों के गुण-दोष सब स्पष्ट हो जाते हैं। फिर आप स्पष्ट निर्णय कर सकते हैं कि मुझे किस बात को बढ़ाना है, किस बात को हटाना है।

कई बातें बहुत छोटी होती हैं, जैसे समय से उठना, समय से भोजन, समय से कार्य, समय से साधना, समय से संयम, इन छोटी-छोटी बातों से आपके मन की शक्ति प्रबल हो जाती है। इसलिए...

कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्षणं निषेवते।
तदेवापहरत्येनं तस्मात्कल्याणमाचरेत्।

मन, वचन और कर्म से हम लगातार जिन बातों के बारे में सोचते हैं, वही हमें अपनी ओर आकर्षित कर लेती है। अतः हमें सदा शुभ बातों का ही चिंतन करना चाहिए।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

सेहत के लिए त्वरित लाभदायक हैं इन फलों के जूस

किसी भी फल का ताजा जूस शरीर को लाभ पहुंचाता है। डिब्बा बंद जूस शरीर को कैलोरीज देते हैं, पर ताजे फलों का रस रक्त में जल्दी मिलकर शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। वैसे जूस रोगियों, बूढ़ों और बच्चों के लिए लाभप्रद होते हैं पर जूस का सेवन कोई भी कर सकता है।

मौसमी का जूस : मौसमी का जूस पीने से पेट में पचाने वाले जरूरी एंजाइम्स पैदा होते हैं जो बेकार के टाक्सिस को बाहर निकालकर पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करते हैं। इसका खट्टा-मीठा स्वाद उल्टी, दस्त जैसी समस्याओं से भी दूर रखता है। कब्ज से राहत दिलाती मौसमी में मौजूद एसिड्स शरीर के हानिकारक तत्वों को बाहर निकालते हैं।

चेरी का जूस : चेरी का जूस पीने से हाई ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखा जा सकता है। चेरी में मौजूद विटामिन सी और पोटेशियम आपको अनीमिया जैसी बीमारियों से दूर रखता है।

अनन्नास का जूस : अनन्नास गले की हर परेशानी एवं टांसिल तक ठीक करता है और पथरी बनने से भी रोकता है। अनन्नास का जूस भूख बढ़ाता है। इसमें मौजूद विटामिन ए,बी,सी और अन्य खनिज तत्व मौजूद होते हैं जो शरीर की सफाई में मदद करते हैं।

अनार का जूस : माना जाता है कि अनार में आयरन, कैल्शियम, काबोर्हाइडेज्ट, विटामिन बी एवं सी होता है जो खून की कमी को दूर करता है। साथ ही हार्ट की प्राब्लम्स से भी बचाता है। अनार का रस एक अच्छा टानिक माना जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद जूस है। गर्भ में पल रहा बच्चा हेल्दी और सुंदर त्वचा लिए पैदा होता है।

सेब का जूस : सेब में सोडियम की मात्रा पर्याप्त होती है जो आंतों की बीमारी और गठिया रोग दूर करने में मदद करता है। पेट लूज होने पर सेब का जूस पीने से लाभ मिलता है। सेब में भी आयरन की मात्रा काफी होती हे। सेब का जूस त्वचा को और रंगत को निखारता है। वैसे सेब खाना ज्यादा बेहतर है पर बच्चों, रोगियों और बूढ़ों को सेब का जूस फायदेमंद होता है।

लीची जूस : यह रसीला फल गर्मियों में शरीर में पानी के अनुपात को संतुलित बनाए रखता है और ठंडक पहुंचाता है। लीची कैंसर सेल्स के विकास को रोकती है पर डायबिटिज के रोगी इसका सेवन कम करें।

अंगूर का जूस : शरीर को हैल्दी रखने के साथ ही अंगूर कब्ज, अपचन, थकान, गुर्दे की बीमारियों और आंखों में होने वाले मोतियाबिंद जैसे रोगों से बचाता है। मिनरल्स से भरे अंगूर मोटापा कम करता है और हेल्दी रहने के लिए जरूरी फलों में से एक है।

चुकंदर जूस : इसका जूस सब्जियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इसमें बहुत अधिक मात्रा में आयरन पाया जाता है जो रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करते हैं और शरीर में हीमोग्लोबिन बनाता है। अनीमिया जैसी बीमारी में चुकंदर बहुत लाभदायी है। अच्छा ब्लड प्यूरिफायर होने के कारण यह आपको अन्य कई बीमारियों से बचाता है।

गाजर जूस : गाजर का सेवन बूढ़े और बच्चे नहीं कर सकते। उन्हें सर्दियों में गाजर का जूस नियमित दें। गाजर में विटामिन की प्रचुर मात्रा होती है जो लिवर और आंखों हेतु अच्छा होता है। गाजर का जूस वजन कम करने में भी सहायक होता है।

तरबूज का जूस : तरबूज का जूस बेहद फायदेमंद होता है। इसके सेवन से कई बीमारियां दूर रहती हैं। लगातार इस जूस का सेवन करने से आपकी त्वचा साफ रहेगी और स्टोन भी नहीं बनेगा। इस जूस में चीनी न मिलाएं। थोड़ा काला नमक या साधारण नमक मिलाकर पिएं।

– प्रस्तुति : शशि

ग्रहण को लेकर बदलें अपने विचार

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

भारतीय समयानुसार 5 मई की रात आठ बजकर पैंतालीस मिनट से चंद्र ग्रहण की शुरूआत होगी। जैसे-जैसे ग्रहण का समय नजदीक आता जाता है सभी लोग जाने अनजाने भयग्रस्त होने लगते हैं एक दूसरे से पूछना शुरू कर देते हैं कि कब से कब तक रहेगा यह ग्रहण? क्या करें इस अवधि में? आदि-आदि।

1 - इन चार राशि वालों को रहना होगा सावधान।
2 - साल का पहला चंद्र ग्रहण : बदलेगा इन तीन राशि वालों का भाग्य।
3 - इस चंद्र ग्रहण से इन राशि वालों के किस्मत के द्वार खुल जायेंगे।
4 - गर्भवती महिलाएं भूलकर भी न करें सिलाई, कटाई कैंची और चाकू का प्रयोग न करें, सब्जी न काटें।

ग्रहण चाहे सूर्यग्रहण हो या चंद्र ग्रहण इनके आने की खबर आते ही इस तरह की खबरें प्रमुख खबर बनती हैं।

कुछ ज्योतिषियों के द्वारा यह आकलन किया गया है कि मेष, मिथुन, तुला, वृश्चिक और मकर राशि को यह विशेष तौर पर प्रभावित करेगी। इसके जरिए उपाय बता कर व्यावसायिक दृष्टिकोण को हवा देने की पूरी कोशिश की गई है। इन तथाकथित ज्योतिषियों के अनुसार यह योग इन राशियों के लोगों पर जहां नकारात्मक प्रभाव देने वाला होगा, वहीं इसके प्रभाव से व्यक्ति के पारिवारिक और सामाजिक जीवन में विसंगतियां पैदा होंगी गर्भ में पल रहे बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव होगा। कुछ ज्योतिषियों ने तीन राशि के व्यक्ति के मालामाल हो जाने की बात कही है।

ज्योतिषियों द्वारा किया गया इसका विश्लेषण किसी भी सामान्य व्यक्ति अथवा तो गर्भवती महिला को आशंकित कर सकता है और उसके दिमाग में कुंठा और नकारात्मक भाव के लिए जगह बना सकता है।

शास्त्रों का आश्रय लेकर जानेंगे की ग्रहण को लेकर क्या बातें कही गईं हैं।

ऋग्वेद के अनुसार -

1 -ग्रहण के कारण होनेवाले अंधकार और रात्रि के समय व्याप्त होने वाले अंधकार में बहुत अंतर होता है। इस समय के अंधकार की वजह से पशु-पक्षी भयभीत होकर अस्वाभाविक व्यवहार करने लगते हैं।

2 - ग्रहण की वजह से वायु की दिशा परिवर्तित हो जाती है। गति परिवर्तन की बात नहीं की गयी है।

3- समुद्र जल के पीएच मान में परिवर्तन होने लगता है। पीएच मान में परिवर्तन अर्थात जल के अम्लीयता और क्षारीयता में परिवर्तन की बात की गयी है। समुद्र जल में आये इस परिवर्तन की वजह से समुद्र में रहने वाले जीवों और जंतुओं पर इसका प्रभाव पड़ता है।

4 - ग्रहों के आपसी तालमेल में गड़बड़ी की वजह से पेड़ पौधों में आनेवाले फूलों और फलों की संरचना पर असर होता है।

रामचरितमानस और वाल्मीकि रामायण में अरण्य कांड में ग्रहण की चर्चा की गयी है। एक ही पक्ष में दो ग्रहण और उनके असर की बात कही गई है। राष्ट्र और राजा पर इसके प्रभाव की चर्चा की गयी है। प्राकृतिक उत्पात में वृद्धि की बात कही गयी है। उसी प्रकार से भगवत गीता में भी एक ही पक्ष में दो ग्रहण और उनके असर की बात कही गई है। राष्ट्र और राजा पर इसके प्रभाव की चर्चा की गयी है।

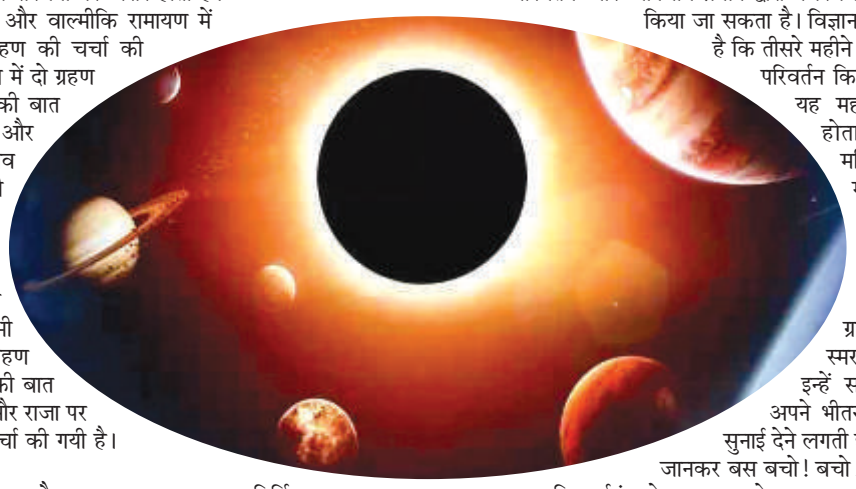

ग्रहण का राष्ट्राध्यक्ष और राष्ट्र पर प्रभाव- कब निर्मित होंगे ऐसे हालत और कब मिलेगी इससे मुक्ति यह सब संबंधित स्थान, समय, पात्र की दशा, योग, आदि बातों पर निर्भर होता है। इसके लिए हमें ज्योतिषशास्त्र की मदद लेनी होती है। ज्योतिषशास्त्र के तहत मेदिनी ज्योतिष अध्याय में इसकी चर्चा की गयी है। ज्योतिषशास्त्र में इसके मेदिनी पक्ष को देखे जाने की सलाह दी गयी है।

किस भाव में किस राशि में ग्रहण लग रहा है, इसको देखने के साथ-साथ राशिधिपति की क्या स्थिति है, नक्षत्राधिपति की क्या स्थिति है, यह भी देखना है। मूलभूत सिद्धांत को नहीं छोड़ना है।

चाहे वह वेद हो, रामचरितमानस हो, भगवद्गीता हो या ज्योतिषशास्त्र हो- कहीं भी ग्रहण के वैयक्तिक प्रभाव की चर्चा नहीं की गयी है।

गर्भवती महिलाओं को कहा जाता है कि अगर इस दौरान यदि वे कैंची, चाकू का प्रयोग करेंगी तो उनका बच्चा खंड तालु, अर्थात कटी हुई तालु लेकर पैदा होगा। यह एक विचारणीय प्रश्न है कि सूर्य ग्रहण के दौरान जितने भी बच्चे होंगे, क्या वे खंड तालु लेकर ही पैदा होंगे? एक नजर ज्योतिष में वर्णित षोडश संस्कारों पर भी डालते हैं। गर्भवती महिला के तीसरे महीने में पुंसवन संस्कार किया जाता है। गर्भस्थ शिशु के लिए यह माह काफी संवेदनशील होता है। इस समय वैदिक मंत्रोच्चार के साथ साथ आहार परिवर्तन और औषधीय प्रयोग द्वारा गर्भस्थ शिशु का लिंग परिवर्तित किया जा सकता है। विज्ञान भी इस बात को मानता है कि तीसरे महीने में गर्भस्थ शिशु का लिंग परिवर्तन किया जा सकता है। चूंकि यह महीना इतना संवेदनशील होता है, इसलिए वैसी महिलाएं जिनका तीसरा महीना चल रहा है गर्भ का, वे इस दौरान अपने खाने-पीने की शुचिता का ध्यान रखें।

व्यक्ति विशेष तो ग्रहण से राहु केतु का स्मरण करने लगते हैं और इन्हें सर्प सदृश मानकर उन्हें अपने भीतर खतरे की घंटी बजती सुनाई देने लगती है। सामने सर्प की प्रतीति जानकर बस बचो! बचो! भागो! कोई उपाय करो कि सर्पदंश से बचा जा सके।

हम और आप ग्रहण से नहीं, बल्कि सांप सी अपनी विचारों की वजह से बीमार हो जाते हैं या मृत्युपाश में चले जाते हैं। ग्रहण हर वर्ष कम से कम चार बार और अधिक से अधिक सात बार लगती ही है। हर ग्रहण अपने साथ 15 दिन आगे-पीछे दूसरे ग्रहण को लेकर आता ही है तो एक बात बताइये कि कितनी बार मरेंगे या मालामाल होंगे हम और आप? ग्रहण के समय को दान और पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ अवधि माना गया है। इसलिए, दान दीजिये। ईश्वर उपासना कीजिये। ग्रहण और व्यापार को समझिये। स्वयं जानने का प्रयास कीजिये। तथ्यपरक शोध कीजिये और खोज कीजिये। यह एक खगोलीय घटना है, इसका आनंद लीजिए।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद् हैं।)

रोबोटिक्स व आईओटी में उद्यमिता को लेकर प्रेरित किए गए विद्यार्थी

संवाददाता

धनबाद : गुरुनानक कॉलेज के बीसीए विभाग की ओर से भूदा परिसर में रोबोटिक्स और आईओटी में उद्यमिता पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्देश्य छात्रों को रोबोटिक्स और आईओटी के उभरते क्षेत्र के बारे में बताना और उन्हें उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करना था। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता जनता समूह के संस्थापक, प्रसिद्ध उद्यमी और रोबोटिक्स व आईओटी के क्षेत्र में प्रमुख व्यक्ति अभिषेक कुमार थे। उन्होंने रोबोटिक्स और आईओटी के क्षेत्र में मौजूदा रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर छात्रों के साथ अपने बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए। छात्रों को क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों, अनुप्रयोगों और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों के बारे में जानने का मौका मिला। संगोष्ठी का आयोजन जेएस ग्रेवाल सभागार में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, फैकल्टी मेंबर्स शामिल हुए। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद, बीसीए विभाग की समन्वयक प्रो. पुष्पा तिवारी, प्रो. उदय सिन्हा, कौशिक मुखर्जी और सोनी उपस्थित थे। स्वागत भाषण डॉ. संजय प्रसाद ने दिया। कार्यशाला का विषय परिचय प्रो. उदय सिन्हा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. पुष्पा तिवारी ने किया। कार्यक्रम में बोकारो खुशहाल ग्रुप के संस्थापक अमरेंद्र झा ने भी अपने विद्यार्थियों के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज की। संगोष्ठी एक बड़ी सफलता थी और छात्रों को उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने और रोबोटिक्स और आईओटी के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों के बारे में जानने के लिए एक मंच प्रदान किया। छात्रों ने इस तरह के सूचनात्मक और प्रेरक संगोष्ठी के आयोजन के लिए विभाग का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन अंशिका वर्मा ने किया।

'अब दिल्ली दूर नहीं' में दिखेगा बोकारो का इमरान जाहिद

संवाददाता

बोकारो : नगर के सेक्टर-4 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में युवा फिल्म अभिनेता इमरान जाहिद (फिल्म 'अब दिल्ली दूर नहीं') का भव्य स्वागत किया गया। प्राचार्य एके झा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका हार्दिक स्वागत किया। सत्र 1993-95 के गणित विषय के सक्रिय छात्र रहे जाहिद की पहली फिल्म सिनेमाघरों में 12 मई 2023 को आने वाली है। प्राचार्य श्री झा ने इमरान जाहिद को बधाई और शुभकामनाएं दीं। इमरान जाहिद ने बच्चों को संबोधित करते हुए सिनेमा जगत में करियर के असीम अवसरों की जानकारी दी। कहा - आप इस तरह का नाम कमा सकते हैं, परंतु धैर्य आवश्यक है। बोकारो सेक्टर -9 के इमरान जाहिद ने आज अपनी काबिलियत और अदाकारी के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई है। फिल्म 'अब दिल्ली दूर नहीं' से वह सिनेमा जगत में बोकारो का गौरव बढ़ाने वाले हैं। फिल्म निर्देशक कमल चंद्र की 'अब दिल्ली दूर नहीं' में इमरान मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इमरान इस फिल्म में आईएस अफसर के रूप में दिखेंगे। यह फिल्म देश के सिनेमाघरों में इसी साल 12 मई को रिलीज होगी। श्री झा के अनुसार बोकारो से बॉलीवुड तक पहुंचने का इमरान का सफर बहुत ही संघर्षपूर्ण रहा है।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल
ऊर्जा हो जैसे कण-कण में
कुछ उद्वेद भरा हो मन में
जंगल बिहुंस रहा है सारा
ता-रा-तुन-तुन, तुन-तुन-ता-रा
ऐसा दृश्य बनाती आकर
जंगल में वासन्ती मृदुल बयार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

चल जंगल चल, चल जंगल
नव वसन्त में जंगल नाचे
मधुर-मधुर स्वर कोमल बाँधे
ना-ना-धिन-धिन, ना-ना-धिन-धिन
जंगल का खुशनुमा रात-दिन
ढाक, गुलमुहर, अमलतास अब
वन को करने वाले हैं गुलजार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में सामूहिक कार्रवाई का आह्वान, बोले राजनाथ-

आतंकवाद के समर्थक मानवता के दुश्मन

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की बैठक में आतंकवाद के सभी रूपों को खत्म करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने और इस तरह की गतिविधियों को सहायता व वित्तपोषण करने वालों की जवाबदेही तय करने का आह्वान किया है। नई दिल्ली में एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि सभी तरह की आतंकवादी गतिविधियों या किसी भी रूप में इसका समर्थन मानवता के खिलाफ बड़ा अपराध है और शांति एवं समृद्धि इस खतरे के साथ बनी नहीं रह सकती है।

पाकिस्तान पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री ने कहा 'यदि एक राष्ट्र आतंकवादियों को शरण देता है, यह न सिर्फ दूसरों के लिए, बल्कि स्वयं के लिए भी खतरा पैदा करता है, यह उसके लिए भी खतरा है। युवाओं में उग्रवाद की प्रवृत्ति न सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से चिंता का विषय है, बल्कि यह समाज की सामाजिक-आर्थिक प्रगति की राह में एक बड़ी बाधा भी है। यदि हम एससीओ को एक सशक्त और अधिक विश्वसनीय अंतर्राष्ट्रीय संगठन बनाना चाहते हैं, तो आतंकवाद से प्रभावी रूप से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।'

श्री सिंह ने आगे कहा कि भारत क्षेत्रीय सहयोग के एक मजबूत ढांचे की परिकल्पना करता है, जिसमें सभी सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का पारस्परिक रूप से सम्मान हो और उनके वैधानिक हितों का ध्यान रखा जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नई दिल्ली एससीओ के सदस्य देशों के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के प्रावधानों के अनुसार शांति और सुरक्षा को बनाए रखने में भरोसा रखती है।

सामूहिक समृद्धि सुनिश्चित करने के विजन पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने एससीओ सदस्य देशों द्वारा ठोस प्रयासों का आह्वान किया, ताकि आज की बहुपक्षीय दुनिया में असीम संभावनाओं वाला क्षेत्र 'सभी पक्षों के लिए लाभ की स्थिति होगी' से 'कुल परिणाम शून्य होगा, कोई भी जीत या हार की स्थिति में नहीं होगा' की मानसिकता में बदल सके। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से मिलकर काम करने और साथ मिलकर आगे बढ़ने के सिद्धांत का पालन करता है। प्रत्येक युग चेतना का युग होता है। वर्तमान युग बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी के सहयोग का है।

भारतीय रक्षा गतिविधियों की चर्चा

श्री सिंह ने सदस्य देशों के बीच पारस्परिकता को बढ़ाने के लिए एससीओ अध्यक्ष के रूप में भारत द्वारा शुरू की गई दो रक्षा संबंधी गतिविधियों का भी उल्लेख किया। ये हैं- 'मानवीयता सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर)' विषय पर कार्यशाला और 'डिफेंस थिंक-टैंक ऑफ एससीओ कंट्रीस' विषय पर सेमिनार। दोनों कार्यक्रमों में सभी एससीओ सदस्य देशों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। रक्षा मंत्री ने प्रशिक्षण और वस्तुओं के सह-विनिर्माण व सह-विकास के जरिए एससीओ सदस्य देशों की रक्षा क्षमता निर्माण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा संबंधी चुनौतियां सिर्फ किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं, इसलिए भारत साझे हितों को ध्यान में रखते हुए रक्षा साझेदारी के क्षेत्र में सामूहिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है।

'सिक्योर' अवधारणा की बताई अहमियत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 2018 में चीन के चिंगदाओ में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत की गई 'सिक्योर' की अवधारणा के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि सिक्योर शब्द का हर अक्षर क्षेत्र के बहुआयामी कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है।

एस- सिक्योरिटी ऑफ सिटीजन्स (नागरिकों की सुरक्षा)
ई- इकॉनोमिक डेवलपमेंट फॉर ऑल (सभी के लिए आर्थिक विकास)
सी- कनेक्टिंग द रीजन (क्षेत्रीय जुड़ाव)
यू- यूनिटिंग द पीपुल (लोगों को एकत्रित करना)
आर- रीस्पेक्ट फॉर साव्रिन्टी एंड इंटेग्रिटी (संप्रभुता और अखंडता के लिए सम्मान)
ई- एंवायरमेंटल प्रोटेक्शन (पर्यावरण संरक्षण)

प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर

विचार-विमर्श के अंत में सभी एससीओ सदस्य देशों ने क्षेत्र को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाने के लिए सामूहिक इच्छा व्यक्त करते हुए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। अपने संबोधन के अंत में श्री राजनाथ सिंह ने समकालीन चुनौतियों से निपटने के साथ ही क्षेत्र समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने बदलते समय के साथ एससीओ निरंतर मजबूत और जीवंत एवं सशक्त संगठन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पारस्परिक सहयोग, सद्भाव और सम्मान के माध्यम से विकास की नई यात्रा शुरू करना हमारा नैतिक दायित्व है। बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि सभी सदस्य राष्ट्रों के साथ आतंकवाद से निपटने, विभिन्न देशों में कमजोर आबादी की सुरक्षा के साथ-साथ एचएडीआर सहित सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर सहमति बनी।

बैठक में ये रहे मौजूद

इस बैठक में चीन के रक्षा मंत्री (जनरल ली शांगफू); रूस (जनरल सर्गेई शोइगू); ईरान (ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद रजा घराई अश्तियानी); बेलारूस (लेफ्टिनेंट जनरल खेनिन वीजी); कजाकिस्तान (कर्नल जनरल रुसलान झाक्सिल्यकोव); उज्बेकिस्तान (लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुबानीव); किर्गिस्तान (लेफ्टिनेंट जनरल बेकबोलोतोव बक्तीबेक असंकालिएविच) और ताजिकिस्तान (कर्नल जनरल शेराली मिर्जो) ने भाग लिया। मंत्रियों ने बैठक के दौरान एससीओ चार्टर के तहत क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों सहित साझी चिंता के मुद्दों पर चर्चा की।